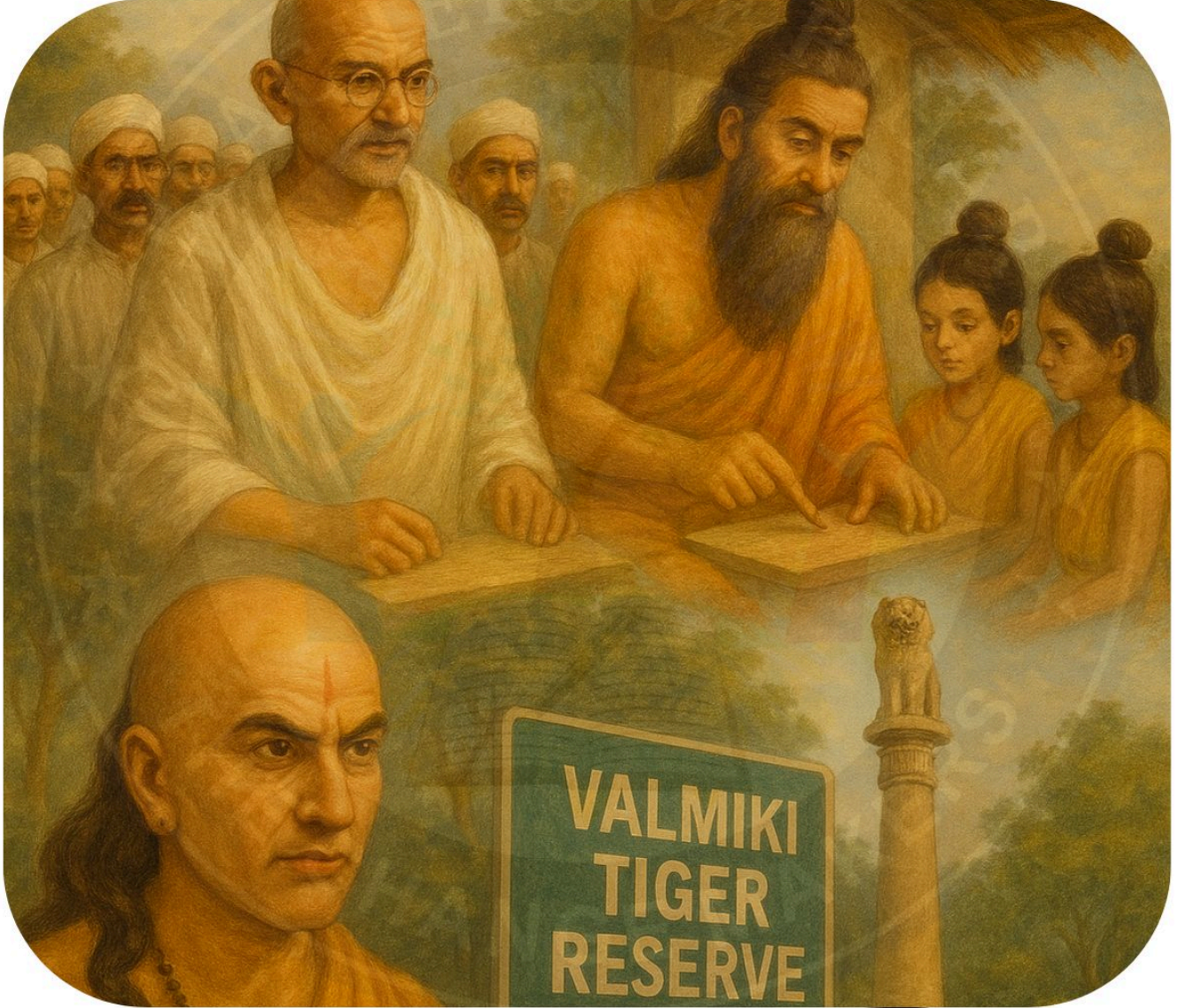


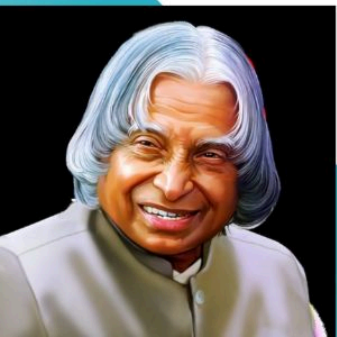
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 05 अक्टूबर 2026, अंक -371.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"सत्य एक है, लेकिन विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार





Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम।
हां, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम।
तुम्हीं से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हां, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्हीं से शाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत वंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गदि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. बोलीविया की संवैधानिक राजधानी क्या है?

उत्तर: सुक्रे

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन थीं?

उत्तर: मीरा कुमार

प्रश्न 3. 'छोलिया' किस राज्य का प्रसिद्ध पारंपरिक लोकनृत्य है?

उत्तर: उत्तराखंड

प्रश्न 4. 0.625 को साधारण भिन्न में बदलने पर क्या प्राप्त होगा?

उत्तर: 5/8

प्रश्न 5. बिहार की बराबर गुफाएँ किस जिले में स्थित हैं?

उत्तर: जहानाबाद

ये गुफाएँ मौर्यकालीन शैलकृत स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध हैं।

प्रश्न 6. किस पक्षी की आँखें उसके सिर के लगभग विपरीत दिशाओं में होती हैं, जिससे उसे आसपास देखने में सहायता मिलती है?

उत्तर: कबूतर

प्रश्न 7. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटरों के विकास में योगदान देने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक जॉन वॉन न्यूमैन किस देश से संबंधित थे?

उत्तर: हंगरी

प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है?

उत्तर: अनुच्छेद 280

प्रश्न 9. 'जो अपने किए हुए उपकार को याद रखता हो' – उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: कृतज्ञ

प्रश्न 10. पौधों की जड़ों को मिट्टी में फैलने के लिए ढीली मिट्टी क्यों उपयोगी होती है?

उत्तर: वायु-संचार

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Sunshine - सनशाइन - धूप
- 2 Sunrise - सनराइज़ - सूर्योदय
- 3 Sunset - सनसेट - सूर्यास्त
- 4 Moonlight - मूनलाइट - चाँदनी
- 5 Starlight - स्टारलाइट - तारों की रोशनी
- 6 Shadow - शैडो - छाया
- 7 Dew - ड्यू - ओस



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Where are you going to + V1?"

(तुम/आप ... कहाँ करने वाले हो/हैं?)

1. तुम आज शाम कहाँ खेलने वाले हो? – Where are you going to play this evening?

2. तुम अपनी छुट्टियाँ कहाँ बिताने वाले हो? – Where are you going to spend your holidays?

3. तुम यह सामान कहाँ रखने वाले हो? – Where are you going to keep this luggage?

4. तुम अपने परिवार के साथ कहाँ घूमने जाने वाले हो? – Where are you going to travel with your family?

5. तुम अपनी नई किताब कहाँ रखने वाले हो? – Where are you going to keep your new book?



संकलन:-

अभिनव राज

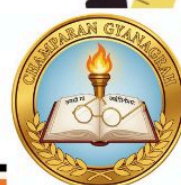
प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को यूनेस्को (UNESCO) और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा शिक्षकों की केंद्रीय भूमिका और उनके अधिकारों के सम्मान में कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व शिक्षक दिवस (World Teachers' Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को वैश्विक स्तर पर 'विश्व शिक्षक दिवस' (World Teachers' Day) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को द्वारा 5 अक्टूबर 1966 को पेरिस में हस्ताक्षरित 'शिक्षकों की स्थिति से संबंधित यूनेस्को/आईएलओ अनुशंसा' की स्मृति में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में शिक्षकों के योगदान, उनकी कार्यदशाओं में सुधार, तथा राष्ट्रीय विकास में उनके मार्गदर्शन को सम्मानित करना है। (भारत में 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया जाता है)।

संदर्भ: UNESCO Official World Teachers' Day Portal; International Labour Organization (ILO) Standards;

प्र.2. अक्टूबर 2026 में भारत सरकार द्वारा अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की भागीदारी को गति देने हेतु किस प्रमुख राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के उन्नत प्रक्षेपण परिसर का विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: कुलशेखरपट्टिनम अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र (तमिलनाडु)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) के तत्वावधान में तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के 'कुलशेखरपट्टिनम' में देश के दूसरे अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र के वाणिज्यिक एसएसएलवी (SSLV) लॉन्च कॉम्प्लेक्स का विस्तार किया गया। यह केंद्र सीधे दक्षिण की ओर भूवीय कक्षाओं में छोटे उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत अनुकूल है, जिससे रॉकेटों को श्रीलंका के चक्कर (डॉग-लेग मैन्युवर) से मुक्ति मिलती है और ईंधन की भारी बचत होती है।

संदर्भ: ISRO Press Release October 2026; IN-SPACe Official Dashboard;

प्र.3. हिंदी के मूर्धन्य उपन्यासकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें पूर्णिया के 'मेरीगंज' गाँव की सामाजिक-राजनीतिक विषमताओं और ग्रामीण जीवन का सजीव चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: मैला आंचल (1954)

व्याख्या: 'मैला आंचल' (1954) आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रथम और सर्वश्रेष्ठ आंचलिक उपन्यास माना जाता है, जिसके रचनाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' हैं। यह उपन्यास बिहार के तत्कालीन पूर्णिया जिले के सुदूर पिछड़े गाँव 'मेरीगंज' की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें युवा डॉक्टर प्रशांत के समाज-सेवा के संकल्प, कमली के निश्छल प्रेम तथा स्वाधीनता प्राप्ति के समय ग्रामीण भारत में व्याप्त जातिवाद, अंधविश्वास, सामंती शोषण और राजनीतिक दलों के अवसरवाद का अत्यंत यथार्थवादी, लोकगीतों व स्थानीय मुहावरों से युक्त सजीव चित्रण किया गया है।

संदर्भ: फणीश्वरनाथ 'रेणु' — 'मैला आंचल', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. अत्यधिक मानवीय हस्तक्षेप और औद्योगिक विकास के कारण प्रजातियों के विलुप्त होने की वर्तमान दर सामान्य प्राकृतिक दर से सैकड़ों गुना तेज होने को भू-वैज्ञानिक किस महाविनाश की संज्ञा देते हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: छठा सामूहिक विलोपन (Sixth Mass Extinction / Anthropocene Extinction)

व्याख्या: पृथ्वी के 4.5 अरब वर्षों के इतिहास में प्राकृतिक आपदाओं (उल्कापिंड, ज्वालामुखी) से अब तक 5 बड़े सामूहिक विलोपन (Big Five Extinctions) हो चुके हैं। वर्तमान समय में मानवीय गतिविधियों — वनों की अंधाधुंध कटाई, पर्यावास विनाश, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्रजातियों के अत्यधिक दोहन — के कारण जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के लुप्त होने की गति प्राकृतिक पृष्ठभूमि दर से 100 से 1,000 गुना अधिक तीव्र हो गई है। वैज्ञानिक इसे 'छठा सामूहिक विलोपन' या 'एंथ्रोपोसीन विज्ञोपन' कहते हैं। यह मानव जाति के अस्तित्व और पारिस्थितिक संतुलन के लिए सबसे गंभीर संकट है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 "जैव विविधता एवं संरक्षण", p. 280-284;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान फैजाबाद और लखनऊ के अतिरिक्त रुहेलखंड (बरेली) में विद्रोही सैनिकों और नवाब खान बहादुर खान के प्रमुख सहयोगी कौन बने थे? (इतिहास)

उत्तर: खान बहादुर खान (रुहेलखंड)

व्याख्या: 1857 के महाविद्रोह में रुहेलखंड के क्षेत्र (बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर) में क्रांति का नेतृत्व पूर्व रुहेला शासक हाफिज रहमत खान के पोते नवाब खान बहादुर खान ने संभाला था। मई 1857 में ब्रिटिश सेना के पीछे हटने पर उन्होंने स्वयं को बरेली का नवाब-नाजिम घोषित किया और दिल्ली के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के प्रति निष्ठा व्यक्त की। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों की एक संयुक्त प्रशासनिक परिषद बनाई और ब्रिटिश सेना को महीनों तक रोके रखा। 1858 में ब्रिटिश सेनापति कॉलिन कैपबेल द्वारा बरेली पर पुनः अधिकार के बाद उन्हें बंदी बना लिया गया और 1860 में फांसी दे दी गई।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात से लेकर कन्याकुमारी तक विस्तृत पश्चिमी घाट (सह्याद्री) का सर्वोच्च शिखर कौन-सा है, जो केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पहाड़ियों पर स्थित है? (भूगोल)

उत्तर: अनाईमुडी (Anaimudi - 2,695 मीटर)

व्याख्या: अनाईमुडी (शाब्दिक अर्थ: हाथी का माथा) दक्षिण भारत और प्रायद्वीपीय भारत का सर्वोच्च पर्वत शिखर है, जिसकी समुद्र तल से कुल ऊँचाई 2,695 मीटर (8,842 फीट) है। यह शिखर केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पर्वत श्रेणी के भीतर 'इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान' में स्थित है। यह तीन पहाड़ी शृंखलाओं — उत्तर में अन्नामलाई, दक्षिण में कार्डमम (इलायची) पहाड़ियाँ और उत्तर-पूर्व में पलनी पहाड़ियाँ — का मुख्य ग्रंथि बिंदु है। यह क्षेत्र संकटग्रस्त 'नीलगिरी तहर' और 'कुरिंजी' (नीलाकुरिंजी) के दुर्लभ पुष्पों के पर्यावास के लिए विश्वविख्यात है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12-14

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि, राष्ट्रों के मध्य न्यायसंगत संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय संधियों के सम्मान का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 51 (राज्य के नीति निर्देशक तत्व)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में सन्निहित राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 51' भारत की विदेश नीति का संवैधानिक और नैतिक आधारस्तंभ है। यह स्पष्ट घोषित करता है कि राज्य: (क) अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का, (ख) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का, (ग) अंतरराष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का, तथा (घ) अंतरराष्ट्रीय विवादों के मध्यस्थता द्वारा निपटारे को प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगा। इसी अनुच्छेद से भारत के 'पंचशील सिद्धांत' और 'गुटनिरपेक्षता' की नीति को संवैधानिक दिशा प्राप्त हुई।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 51; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43-46;

प्र.8. किसी समतल दर्पण के सम्मुख रखी वस्तु का प्रतिबिंब दर्पण के पीछे उतनी ही दूरी पर बनता है; समतल दर्पण द्वारा बने प्रतिबिंब की प्रकृति और उसका पार्श्व परिवर्तन (Lateral Inversion) क्या कहलाता है? (विज्ञान)

उत्तर: आभासी और सीधा; दायें भाग बायाँ तथा बायाँ भाग दायें दिखाता

व्याख्या: समतल दर्पण द्वारा प्रकाश के नियमित परावर्तन से बनने वाले प्रतिबिंब की मूलभूत विशेषताएँ हैं: (1) प्रतिबिंब सदैव आभासी (Virtual) और सीधा (Erect) होता है, जिसे पर्दे पर नहीं लिया जा सकता; (2) प्रतिबिंब का आकार ठीक वस्तु के आकार के बराबर होता है; (3) प्रतिबिंब दर्पण के पीछे उतनी ही लंबवत दूरी पर बनता है जितनी दूरी पर वस्तु दर्पण के आगे रखी होती है; (4) 'पार्श्व परिवर्तन' (Lateral Inversion) — वस्तु का दायें भाग प्रतिबिंब में बायाँ और बायाँ भाग दायें दिखाई देता है। यही कारण है कि रोगी वाहनों (Ambulance) पर आगे 'AMBULANCE' उल्टे अक्षरों में लिखा जाता है ताकि आगे चल रहे वाहनों के रियर-व्यू मिरर में यह सीधा पढ़ा जा सके।

प्र.9. 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंग वंश के प्रतापी सम्राट नरसिंहदेव प्रथम द्वारा ओडिशा के पुरी जिले में चंद्रभागा नदी के तट पर कलिंग शैली में निर्मित 'ब्लैक पेगोडा' के नाम से विख्यात सूर्य मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कोणार्क का सूर्य मंदिर (Konark Sun Temple)

व्याख्या: कोणार्क का सूर्य मंदिर ओडिशा के पुरी जिले में स्थित कलिंग स्थापत्य कला का एक अप्रतिम और विश्वविख्यात शिखर है। इसका निर्माण 13वीं शताब्दी (लगभग 1250 ईस्वी) में पूर्वी गंग राजवंश के महान शासक नरसिंहदेव प्रथम ने करवाया था। यह संपूर्ण मंदिर 24 विशाल नक्काशीदार पहियों और 7 भव्य अश्वों द्वारा खींचे जाते हुए भगवान सूर्य के एक विशाल रथ के रूप में गढ़ा गया है। इसके पहियों की तीलियाँ धूपघड़ी (Sundial) का कार्य करती हैं, जो छाया देखकर सटीक समय बताती हैं। यूरोपीय नाविक इसके गहरे रंग और जहाजों को आकर्षित करने वाले चुंबकीय शिखर के कारण इसे 'ब्लैक पेगोडा' कहते थे। वर्ष 1984 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 74-77;

प्र.10. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 11 अगस्त 1942 को पटना सचिवालय के मुख्य भवन पर तिरंगा फहराने के प्रयास में ब्रिटिश पुलिस की गोलियों से शहीद होने वाले 7 वीर अमर छात्रों का स्मारक कहाँ स्थित है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: शहीद स्मारक (पटना सचिवालय के सामने)

व्याख्या: 11 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पटना के राष्ट्रवादी छात्रों के एक विशाल जुलूस ने ब्रिटिश हुकूमत की परवाह किए बिना पटना सचिवालय के भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अदम्य संकल्प लिया। तत्कालीन क्रूर जिला मजिस्ट्रेट डब्ल्यू. जी. आर्चर के आदेश पर पुलिस ने निहत्थे छात्रों पर गोलियों की बौछार कर दी। इस ऐतिहासिक बलिदान में 7 वीर छात्र — उमाकांत प्रसाद सिन्हा, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह और रामगोविंद सिंह शहीद हो गए तथा दर्जनों घायल हुए। स्वतंत्रता के उपरांत बिहार के प्रथम राज्यपाल जयरामदास दौलतराम और प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने सचिवालय के सामने इनके अमर बलिदान की स्मृति में भव्य 'शहीद स्मारक' की आधारशिला रखी थी।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module;

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W1 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि बाढ़ या सामान्य दिनों में कोई यात्री नाव असंतुलित होकर पलटने लगे, तो यात्रियों को भगदड़ मचाने के बजाय कौन-से दो तात्कालिक कदम उठाने चाहिए और डूबने से बचने हेतु पानी में तैरने (Floating) का कौन-सा सरल देसी साधन तुरंत बनाया जा सकता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: नाव के दोनों किनारों को पकड़कर शांत बैठना; 2-3 खाली एयर-टाइट प्लास्टिक बोतलों/गैलन से फ्लोट बनाना
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W1: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार, नाव यात्रा के दौरान आपातकालीन संतुलन व जीवन-रक्षा हेतु मानक सावधानियां अनिवार्य हैं: (1) यदि नाव में पानी भरने लगे या वह डगमगाने लगे, तो कभी भी खड़े न हों और न ही एक तरफ भागें; सभी यात्री तुरंत नाव के पेंदे में नीचे बैठ जाएं और दोनों हाथों से नाव के किनारों (Gunwales) को मजबूती से पकड़कर संतुलन बनाए रखें; (2) यदि नाव पलट जाए, तो उल्टी हुई नाव की सतह या लकड़ी के पतवार को पकड़े रहें क्योंकि लकड़ी पानी में स्वतः तैरती है; (3) तात्कालिक देसी जीवन-रक्षक साधन (Improved Flotation Device) – 2 से 3 खाली व डबकन बंद प्लास्टिक की बड़ी बोतलों या 5-10 लीटर के खाली एयर-टाइट गैलन को गमछे या रस्सी से बांधकर छाती के नीचे दबा लेने से व्यक्ति बिना तैराकी सीखे भी घंटों पानी की सतह पर तैरता रह सकता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W1 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में सावधानियां"

प्र.12. एक ठोस गोले (Sphere) की त्रिज्या 6 सेमी है। इसे पिघलाकर 2 सेमी त्रिज्या वाली कितनी छोटी-छोटी ठोस गोलियाँ बनाई जा सकती हैं? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 27 गोलियाँ
व्याख्या: यह ठोसों के रूपांतरण और आयतन के संरक्षण पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। जब किसी ठोस वस्तु को पिघलाकर छोटी वस्तुएं बनाई जाती हैं, तो कुल आयतन अपरिवर्तित (समान) रहता है। गोले के आयतन का सूत्र = $(4/3) \pi r^3$ । यहाँ बड़े गोले की त्रिज्या (R) = 6 सेमी। बड़े गोले का कुल आयतन $(V_1) = (4/3) \pi (6)^3 = (4/3) \pi * 216$ । छोटी गोली की त्रिज्या (r) = 2 सेमी। एक छोटी गोली का आयतन $(V_2) = (4/3) \pi (2)^3 = (4/3) \pi * 8$ । निमित्त होने वाली छोटी गोलियों की कुल संख्या (n) = बड़े गोले का आयतन / एक छोटी गोली का आयतन, $n = [(4/3) \pi * 216] / [(4/3) \pi * 8] = (4/3) \pi$ कट जाएगा:
 $n = 216 / 8 = 27$ गोलियाँ। (वैकल्पिक संक्षिप्त विधि: गोलियों की संख्या = $(R/r)^3 = (6/2)^3 = 3^3 = 27$)।
अतः पिघलाकर कुल 27 छोटी ठोस गोलियाँ बनाई जा सकती हैं।

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Assiduous (असिजुअस) = Industrious (इन्डस्ट्रियस) = परिश्रमी / मेहनती / लगनशील

Antonym – Indolent (इन्डोलेंट) = आलसी / कामचोर

2. Censure (सेन्शर) = Criticize (क्रिटिसाइज़) = निंदा करना / कड़ी आलोचना करना

Antonym – Applaud (अप्लॉड) = सराहना करना / प्रशंसा करना

3. Demure (डिम्योर) = Modest (मॉडेस्ट) = विनम्र / संकोची / शालीन

Antonym – Brazen (ब्रेज़न) = निर्लज्ज / ढीठ

4. Inexorable (इनेक्सोरेबल) = Relentless (रिलेन्टलेस) = कठोर / जिसे रोका या बदला न जा सके

Antonym – Merciful (मर्सिफुल) = दयालु / कृपालु

5. Proliferate (प्रोलिफरेट) = Multiply (मल्टिप्लाई) = तेजी से बढ़ना / फैलना / संख्या में वृद्धि होना

Antonym – Diminish (डिमिनिश) = घटाना / कम होना

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



India concludes Asian Games 2026 with historic 85 medals (21 gold, 27 silver, 37 bronze); finishes 4th in medal tally
हिन्दी अनुवाद: भारत ने एशियाई खेल 2026 में ऐतिहासिक 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ समापन किया; पदक तालिका में चौथे स्थान पर। भारत ने नागोया, जापान में आयोजित एशियाई खेल 2026 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ चौथे स्थान पर रहा। पुरुष हॉकी टीम ने स्वर्ण जीता, जबकि महिला हॉकी टीम ने रजत जीता। महिला क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण जीता। कुश्ती, मुक्केबाजी, शूटिंग और तीरंदाजी में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; OCA — एशियाई ओलंपिक परिषद; Medal tally — पदक तालिका।

PM Modi congratulates wrestler Antim Panghal on winning silver in Women's 53kg Freestyle at Asian Games
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने एशियाई खेलों में महिलाओं की 53 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में रजत जीतने पर अंतिम पंगल को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 53 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में रजत पदक जीतने पर अंतिम पंगल को बधाई दी। अंतिम पंगल ने फाइनल में जापान की हरुना ओकानो से हारकर रजत पदक जीता। UPSC/BPSC के लिए: Wrestling — कुश्ती; UWW — संयुक्त विश्व कुश्ती; Asian Games — एशियाई खेल।

Defence Minister Rajnath Singh highlights India's progress towards Viksit Bharat@2047; indigenous defence production reaches ₹1.80 lakh crore

हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विकसित भारत@2047 की दिशा में भारत की प्रगति पर बल दिया; स्वदेशी रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत लचीलेपन, दृढ़ संकल्प, करुणा, नवाचार, शक्ति, समावेशी समृद्धि और मजबूत राष्ट्रीय पहचान के साथ विकसित भारत@2047 की दृष्टि की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का स्वदेशी रक्षा उत्पादन जो 2014 में 40,000 करोड़ रुपये था, अब बढ़कर लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये हो गया है। UPSC/BPSC के लिए: Viksit Bharat@2047 — विकसित भारत 2047; Defence production — रक्षा उत्पादन; Atmanirbhar Bharat — आत्मनिर्भर भारत।

INTERNATIONAL NEWS

US sends third aircraft carrier strike group to Middle East; USS Theodore Roosevelt heads to Central Command area

हिन्दी अनुवाद: US ने तीसरा विमानवाहक पोत स्ट्राइक ग्रुप मध्य पूर्व भेजा; USS थियोडोर रूजवेल्ट सेंट्रल कमांड क्षेत्र की ओर रवाना। अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच मध्य पूर्व की ओर तीसरा विमानवाहक पोत स्ट्राइक ग्रुप भेजा है। USS थियोडोर रूजवेल्ट और मकिन आइलैंड एम्फीबियस रेडी ग्रुप मध्य पूर्व की ओर रवाना हुए हैं, जिससे नवंबर के अंत तक ईरान के पास तीन US कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और दो एम्फीबियस रेडी ग्रुप हो सकते हैं। UPSC/BPSC के लिए: Aircraft carrier — विमानवाहक पोत; US Central Command — US सेंट्रल कमांड; Middle East tensions — मध्य पूर्व तनाव।

Iran's IRGC warns US of 'more lethal' response; Houthi missile debris injures Saudi resident in Asir

हिन्दी अनुवाद: ईरान के IRGC ने US को 'अधिक घातक' जवाब की चेतावनी दी; हूति मिसाइल मलबे से सऊदी के असिर में एक निवासी घायल।

ईरान के इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने US को किसी भी खतरे पर 'अधिक शक्तिशाली' जवाब देने की चेतावनी दी है। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि एक इंटरसेप्टेड बैलिस्टिक मिसाइल का मलबा असिर में एक निवासी को घायल कर गया, एक दिन बाद जब एक प्रोजेक्टाइल ने नजरान में एक स्कूल को नुकसान पहुंचाया। UPSC/BPSC के लिए: IRGC — इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स; Houthi rebels — हूति विद्रोही; Ballistic missile — बैलिस्टिक मिसाइल।

Iran receives US counterproposal on reopening Strait of Hormuz; Tehran wants Hormuz addressed first before nuclear talks

हिन्दी अनुवाद: ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने पर US का काउंटरप्रस्ताव मिला; तेहरान चाहता है कि परमाणु वार्ता से पहले होर्मुज का मुद्दा सुलझाया जाए।

ईरान ने कहा है कि उसे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर US का काउंटरप्रस्ताव मिल गया है, जो एक संभावित कूटनीतिक खुलासे का संकेत देता है। हालांकि, तेहरान चाहता है कि परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का मुद्दा सुलझाया जाए। US का प्रस्ताव ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर केंद्रित है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज जलडमरूमध्य; US-Iran talks — अमेरिका-ईरान वार्ता; Nuclear programme — परमाणु कार्यक्रम।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 4.93 lakh affected in 6 districts; Nepal rainfall worsens situation, Gandak at record levels
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 6 जिलों में 4.93 लाख प्रभावित; नेपाल में बारिश से स्थिति गंभीर, गंडक रिकॉर्ड स्तर पर।
नेपाल में भारी बारिश और गंडक बैराज से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। पश्चिम चंपारण, पूर्व चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और दरभंगा में लगभग 4.93 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा, गंडक और कोसी जैसी प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; HFL – Highest Flood Level; Flood management – बाढ़ प्रबंधन।

IAF helicopters airdrop 28 tonnes of food supplies in Saran; CM Samrat Choudhary monitors relief operations
हिन्दी अनुवाद: IAF हेलीकॉप्टरों ने सारण में 28 टन खाद्य सामग्री की एयरड्रॉप की; CM सम्राट चौधरी राहत अभियानों की निगरानी कर रहे हैं।
भारतीय वायु सेना (IAF) के हेलीकॉप्टरों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 28 टन खाद्य सामग्री, जिसमें 5,600 से अधिक सूखे पैकेट शामिल हैं, की एयरड्रॉप की है। CM सम्राट चौधरी अपने कार्यालय से राहत और बचाव अभियानों की निगरानी कर रहे हैं और आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिए हैं कि राहत सामग्री बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचे। UPSC/BPSC के लिए: IAF – भारतीय वायु सेना; Disaster management – आपदा प्रबंधन; Relief operations – राहत अभियान।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India finishes with 85 medals (21 gold, 27 silver, 37 bronze); best-ever performance at Asian Games

हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत ने 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ समापन किया; एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन।

भारत ने एशियाई खेल 2026 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ चौथे स्थान पर रहा। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल में जापान को हराकर स्वर्ण जीता, जबकि महिला हॉकी टीम ने रजत जीता। महिला क्रिकेट टीम ने स्वर्ण जीता। कुश्ती में सुजीत कलकल (65 किग्रा), अमन सेहरावत (57 किग्रा) और अंतिम पंचल (53 किग्रा रजत) ने पदक जीते। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल, चार साल में एक बार; Medal tally – पदक तालिका; OCA – एशियाई ओलंपिक परिषद।

Men's Hockey: India beats Japan 5-1 in final to win gold; first Asian Games hockey gold since 2014

हिन्दी अनुवाद: पुरुष हॉकी: भारत ने फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण जीता; 2014 के बाद पहला एशियाई खेल हॉकी स्वर्ण।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई खेल 2026 के फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह भारत का 2014 के बाद एशियाई खेलों में पहला हॉकी स्वर्ण पदक है। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में जापान को करारी शिकस्त दी। UPSC/BPSC के लिए: FIH – अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ; AHF – एशियाई हॉकी महासंघ; Asian Games – एशियाई खेल।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

आज का विचार:

आप जो हैं, वही बनने में आपकी असली शक्ति है। किसी और की श्रेष्ठ प्रतिलिपि (COPY) बनने के बजाय, स्वयं का सबसे सच्चा और श्रेष्ठ संस्करण (ORIGINAL) बनिए।

कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद एक बार गाँव के रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक गरीब व्यक्ति को पेड़ के नीचे बैठे देखा। उसका चेहरा थका हुआ था और आँखों में भूख साफ दिखाई दे रही थी।

विवेकानंद उसके पास जाकर बैठ गए। उन्होंने पूछा, "भाई, कुछ खाया है?"

वह व्यक्ति धीमे से बोला, "दो दिन से पेट भर भोजन नहीं मिला।"

विवेकानंद कुछ क्षण शांत रहे। उनके साथ चल रहे एक व्यक्ति ने कहा,

"स्वामीजी, ऐसे लोगों को शिक्षा और अच्छे विचारों की जरूरत है। अगर इन्हें ज्ञान दिया जाए तो इनका जीवन बदल सकता है।"

विवेकानंद ने उसकी ओर देखा और शांत स्वर में बोले—

"जिस पेट में भूख की आग जल रही हो, वहाँ ज्ञान की बातें कैसे उतरेंगी?"

उन्होंने अपना भोजन उस व्यक्ति को दे दिया और उसके लिए आगे भी भोजन की व्यवस्था की। फिर बोले— "मनुष्य को उपदेश देने से पहले उसकी आवश्यकता समझो। भूखे व्यक्ति के लिए उस समय सबसे बड़ा धर्म रोटि है, प्यासे के लिए पानी और दुखी के लिए सहारा।"

साथ चल रहे व्यक्ति ने पूछा, "तो क्या ज्ञान जरूरी नहीं है?"

विवेकानंद मुस्कुराए— "ज्ञान जरूरी है, लेकिन ज्ञान की पहली पहचान यही है कि वह हमें दूसरे के दुख को समझना सिखाए।"

वह व्यक्ति भोजन करने लगा। उसके चेहरे पर धीरे-धीरे संतोष लौट आया।

विवेकानंद उसे देखते रहे।

उस दिन उनके साथी को समझ आया—

मानव सेवा केवल किसी पर उपकार करना नहीं है, यह उस मनुष्य में ईश्वर को पहचानना है, जो हमारे सामने सहायता की प्रतीक्षा कर रहा है।

सच्चा धर्म वही है, जो किसी के आँसू पोंछ सके। जिस ज्ञान से हमें किसी भूखे की भूख दिखाई न दे, वह ज्ञान अभी अधूरा है।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-11

सोचो... समझो... हल करो...

			5	2			4	
1								2
					4		9	3
	2			5				
	6				3	9		
4		1		8				
6								
	5	9		7	1			
			2		5			7

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

8	9	3	6	2	7	1	4	5
1	4	6	8	3	9	5	7	2
5	7	2	1	8	4	6	9	3
9	2	8	7	5	6	4	3	1
7	6	5	4	1	3	9	2	8
4	3	1	9	8	2	7	6	5
6	1	7	3	4	5	2	5	9
2	5	9	6	7	1	3	8	4
3	8	4	2	9	5	6	1	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 3, श्लोक 35
श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात्।
स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः॥

सरल हिन्दी अर्थ:

अच्छी प्रकार आचरण में लाए हुए दूसरे के धर्म (कर्तव्य या स्वभाव) की तुलना में, गुणों से कुछ कम दिखाई देने वाला अपना धर्म (स्वाभाविक कर्तव्य) कहीं अधिक कल्याणकारी है। अपने धर्म पर चलते हुए मृत्यु भी श्रेयस्कर है, किंतु दूसरे का धर्म भय को उत्पन्न करने वाला (भयावह) है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

यहाँ 'धर्म' का अर्थ किसी पूजा-पद्धति या मजहब से नहीं, बल्कि 'स्वधर्म' यानी व्यक्ति की अपनी अंतःप्रकृति (Innate Nature), नैसर्गिक क्षमता और नियत कर्तव्य से है।

- अंधी नकल बनाम प्रामाणिकता (Authenticity vs. Comparison): मनुष्य अक्सर दूसरों की सफलता, रुतबा या चकाचौंध देखकर उनके रास्ते पर चलने की कोशिश करता है। गीता स्पष्ट करती है कि किसी दूसरे के क्षेत्र में नकल करके शीर्ष पर पहुँचने की कोशिश करने से कहीं बेहतर है अपने स्वाभाविक रुझान में सामान्य रहकर भी प्रामाणिक जीवन जीना।
- तुलना का भय (Imposter Syndrome): जब आप अपनी प्रकृति के विपरीत काम करते हैं, तो अंदर हमेशा पकड़े जाने, असफल होने और असंतोष का डर बना रहता है। जब आप अपनी क्षमता के अनुरूप काम करते हैं, तो संघर्ष में भी आत्मसंतोष और मानसिक शांति रहती है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏





मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पोर्टल नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्यग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

"शिक्षक संवर्धन"

शिक्षकों के लिए यह पत्रिका एक अनूठा अवसर है। इसमें शिक्षकों के लेख, विचार, और अनुभवों का संग्रह है। यह शिक्षकों को एक साथ आने का अवसर देता है और उनके विचारों को प्रसारित करता है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पाठ्यक्रम पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलता हुआ जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम

वात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के गुप्तों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे केनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रवत में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चोरी की लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र जागरण० बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में चल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवन-उपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों का एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संस्कार केंद्र बगहा दो ० जिला

राज, मनोज कुमार और मनोज कुमार इस प्रतिष्ठित पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रहे हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृत शिक्षा मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसमें 'संस्कृत शिक्षा मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सरावत

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9



'भारत कोकिला' सरोजिनी नायडू

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी कोयल की मीठी कूक सुनी है? जब कोयल गाती है, तो पूरा बाग उसकी मधुर आवाज़ से महक उठता है। हमारे देश में एक ऐसी विदुषी वीरांगना हुई, जिनकी जुबान में कोयल जैसी मिठास थी और हृदय में शेरनी जैसा साहस था। महात्मा गांधी ने उनकी मधुर कविताओं और ओजस्वी भाषणों से मुग्ध होकर उन्हें प्यार से 'भारत कोकिला' (नाइटिंगेल ऑफ इंडिया) का नाम दिया था। वे थीं श्रीमती सरोजिनी नायडू। सरोजिनी जी का जन्म 13 फरवरी 1879 को आंध्र प्रदेश के हैदराबाद शहर में एक अत्यंत विद्वान बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता डॉक्टर अघोरनाथ चट्टोपाध्याय एक महान वैज्ञानिक और हैदराबाद के निज़ाम कॉलेज के संस्थापक थे। उनकी माता श्रीमती वरदा सुंदरी देवी एक स्नेहमयी और सुप्रसिद्ध कवयित्री थीं, जो बंगाली भाषा में सुंदर गीत लिखती थीं।

नन्ही सरोजिनी बचपन से ही ग़ज़ब की प्रतिभाशाली, चंचल और कुशाग्र बुद्धि बालिका थीं। उन्हें पढ़ने-लिखने और कविताएँ रचने का अनोखा शौक था। जब वे मात्र बारह वर्ष की थीं, तब उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करके पास कर ली थी। उसी छोटी सी उम्र में उन्होंने अंग्रेज़ी भाषा में तेरह सौ पंक्तियों की एक बहुत लंबी और सुंदर कविता 'द लेडी ऑफ द लेक' लिख डाली। उनकी यह अद्भुत प्रतिभा देखकर हैदराबाद के निज़ाम इतने खुश हुए कि उन्होंने नन्ही सरोजिनी को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देकर सात समंदर पार इंग्लैंड के किंग्स कॉलेज और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय भेजा। वहाँ से पढ़ाई पूरी कर लौटने के बाद उनका विवाह डॉक्टर गोविंदराजुलू नायडू के साथ हुआ और वे 'सरोजिनी नायडू' बनीं।

विदेश से लौटकर सरोजिनी जी ने 'द गोल्डन थ्रेशोल्ड', 'द बर्ड ऑफ टाइम' और 'द ब्रोक्न विंग' जैसी विश्वप्रसिद्ध कविता पुस्तकें लिखीं। वे चाहतीं तो जीवन भर एक सुखी कवयित्री बनकर रह सकती थीं। परंतु जब उन्होंने देखा कि उनकी भारत माता विदेशी शासन की गुलामी में तड़प रही है, तो वे अपनी कलम के साथ-साथ आज़ादी के मैदान में उतर पड़ीं। गोपाल कृष्ण गोखले और महात्मा गांधी के संपर्क में आकर वे स्वतंत्रता आंदोलन की अग्रिम पंक्ति की नेता बनीं। जब 1930 में गांधीजी ने ऐतिहासिक दांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) शुरू किया, तो सरोजिनी जी गांधीजी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलीं। जब गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया, तब सरोजिनी जी ने ही धरसना में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किया और लाठी-बंदूकों के सामने डटकर खड़ी रहीं।

सरोजिनी जी भारतीय महिलाओं के अधिकारों की सबसे बड़ी पैरोकार थीं। वे वर्ष 1925 के कानपुर अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष चुनी गईं। स्वतंत्रता के बाद वे स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल बनीं, जहाँ उन्होंने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद को बड़ी कुशलता से सुशोभित किया। 2 मार्च 1949 को लखनऊ के राजभवन में इस महान विदुषी ने अंतिम साँस ली। उनके जन्मदिन यानी 13 फरवरी को पूरे देश में 'राष्ट्रीय महिला दिवस' के रूप में बड़े आदर से मनाया जाता है। प्यारे बच्चों, सरोजिनी नायडू का जीवन हमें सिखाता है कि अपनी पढ़ाई और कला से प्यार करो, अपनी वाणी में मिठास रखो, लेकिन जब देश और समाज के स्वाभिमान की बात आए, तो बिना किसी डर के सबसे आगे खड़े रहो।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





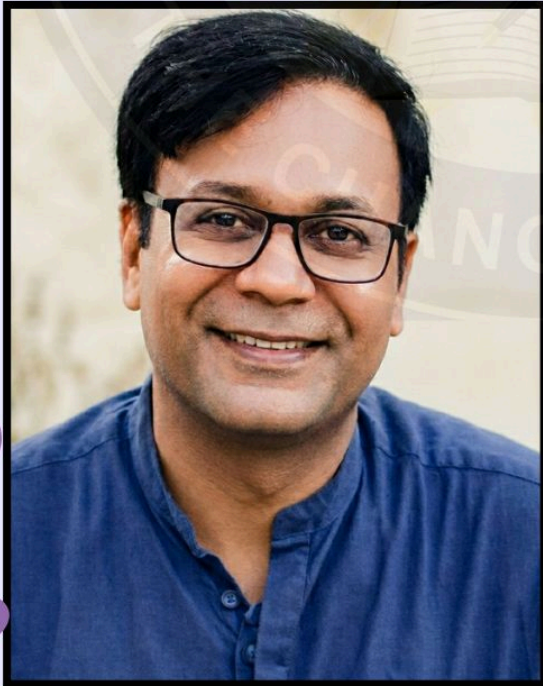
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

आप जो हैं, वही बनने में आपकी असली शक्ति है। किसी और की
श्रेष्ठ प्रतिलिपि (Copy) बनने के बजाय, स्वयं का सबसे सच्चा
और श्रेष्ठ संस्करण (Original) बनिए।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

